RJ–02

June – Examination 2024

B.A. (Part I) Examination

RAJASTHANI

(आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य)

Paper : RJ-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- औ पेपर तीन खण्डां 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड-'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड-'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड-'स' में मोटा सवालां रा पड़ूतर देवणा है। हरेक खण्ड रै आगै दियोडा निर्देशांमुजब आपरा जवाब लिख्यौ।

खण्ड—अ **7×2=14**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड रा **सगळां सवालां** रौ पड़ूतर देवणों जरूरी है। आपरौ पड़ूतर अेक सबद, अेक वाक्य या अधिकतम **30** सबद सूं बेसी नी हुवणा चाईजै।

1. (i) आधुनिक राजस्थानी काव्य-परम्परा रा कोई दोय कविजनां रा नांव लिखो।

(ii) आधुनिक राजस्थानी कविता री कोई **तीन** विसेसतावां बतावो।

(iii) 'वीर सतसई' काव्य-रचना रै रचनाकार रौ नावं बतावो।

(iv) 'गोळी हन्दागीत' विरुद (उपाधि) किण कवि री है ?

(v) 'चतुर चिन्तामणि' काव्य रचना किण भांत री है ?

(vi) केसरीसिंह बारहठ री रचना 'चेतावणी रा चूंगट्यां' किण छंद में रचित है ?

(vii) 'मानखौ' काव्य सै मूळ संदेस कांई हो ?

खण्ड—ब **4×7=28**

(छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड में सूं किणी **चार सवालां** रा जवाब **200** सबदां रीं सींव में लिखौ।

2. सूर्यमहल मीसण री 'वीर सतसई' रौ मरम वर्णित करो।

3. संकरदान सामौर रौ जीवण-परिचै दरसावो।

4. बावजी-चतुर सिंह री 'चिन्तामणि' रौ भाव पख् उजागर करो।

5. 'चेतावनी रा चूंगट्यां' रचना रौ मूळ संदेस री विरोळ करो।

6. गिरधारी सिंह पड़िहार री काव्य-रचना 'सूरै रौ संदेसौ' रौ मरम वर्णित करो।

7. गीतकार रै रूप में प्रेमजी प्रेम रा गीतां री निरख-परख करो।

8. मोहन आलोक रै काव्य में प्रगतिवाद री झळक मिळै। इण कथन री पुष्टि करो।

9. 'खुद सूं खुद री बातां' कविता री समीक्षा करो।

खण्ड—स **2×14=28**

(मोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड में सूं किणी **दो सवालां** रा जवाब देवणा है। सबद सींव **500** सबद है।

10. जनकवि रै रूप में संकरदान सामौर रै काव्य री विरोळ करावो।

11. 'मानखौ' काव्य में मानवीयता रौ बजांण हुयौ है। इण कथन री पुष्टि सोदाहरण करावो।

12. कल्याण सिंह राजावत रै काव्य में सिणगारिक बरणाव री झळक मिळै। इण कथन मुजब आपरा विचार व्यक्त करो।

13. भगवतीलाल व्यास री रचना 'अगनी मंतर' रौ सारांश बतावो।